

भारत सरकार
जल शक्ति मंत्रालय
जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 830
जिसका उत्तर 06 फरवरी, 2020 को दिया जाना है।

.....
भूजल संदूषण

830. श्री उत्तम कुमार रेड्डी:

क्या जल शक्ति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या सरकार को आंध्र प्रदेश के नालगोंडा, तेलंगाना और कडप्पा के भूजल में उच्च यूरेनियम संकेंद्रण के बारे में जानकारी है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ख) क्या इन दोनों जिलों में भूजल के इस प्रकार दूषित होने के कारणों की कोई जांच की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ग) भूजल में और अधिक यूरेनियम संदूषण को रोकने के लिए और इसे सुधारने के लिए उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है; और
- (घ) क्या सरकार ने इन क्षेत्रों में कृषि, लोगों और पर्यावरण पर इस भूजल संदूषण के प्रभावों की पहचान करने के लिए कोई अध्ययन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जल शक्ति और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री (श्री रतन लाल कटारिया)

(क) से (घ) परमाणु ऊर्जा विभाग के अंतर्गत ऐटॉमिक मिनेरल्स डायरेक्टोरेट फॉर ऐक्सप्लोरेशन एंड रिसर्च (एएमडी) खनन कार्य शुरू करने से पहले यूरेनियम डिपॉजिट के चारों ओर भूजल नमूनों सहित पर्यावरणीय बेस लाईन आंकड़ों को एकत्र करता है।

एएमडी ने नवम्बर, 2018 से जुलाई, 2019 तक तेलंगाना के नालगोंडा जिले में लम्बापुर-पेड्डागट्टू क्षेत्र के चारों ओर 25 निजी ट्यूब वेल्स/हैंडपंपों के भूजल नमूनों को पर्यावरणीय बेस लाईन आंकड़ों के संग्रह के भाग के रूप में एकत्र किया है और यह पाया गया है कि नमूनों की जगहों पर यूरेनियम की मात्रा 1 से 2,618 पार्ट्स प्रति बिलियन तक अलग-अलग है। 25 नमूनों में से 13 नमूनों में यूरेनियम की मात्रा 60 पार्ट्स प्रति बिलियन से कम है जो परमाणु ऊर्जा विनियामक बोर्ड द्वारा निर्धारित सुरक्षित सीमा के भीतर है।

ठीक इसी तरह, एएमडी आंध्र प्रदेश ने कडप्पा जिले में 31 नमूनों को एकत्र किया है। नमूना लिए जाने वाले स्थलों पर यूरेनियम की मात्रा 1 से 516 पार्ट्स प्रति बिलियन पाई गई। 31 नमूनों में से 28 नमूनों में यूरेनियम की मात्रा 60 पार्ट्स प्रति बिलियन से कम रही है।

भूजल में यूरेनियम की मात्रा स्वभाविक रूप से होती है, जो विभिन्न घटकों जैसे जलभृत चट्टानों की जिओ-कैमेट्री और इसकी यूरेनियम की मात्रा, जलभृतों की स्थिति के पुनर्भरण/डिस्चार्ज, यूरेनियम अयस्क बॉडी के संबंध में भूजल स्तर में उतार-चढ़ाव, जलभृतों में भूजल का रेजीडेंस समय, जलवायु परिस्थितियां, अयस्क बॉडी को जोड़ने वाली दरारों में भूजल का बहाव, मानवीय गतिविधियों इत्यादि द्वारा नियंत्रित की जाती है। इसके अलावा, इस प्रकार के क्षेत्रों में ग्रेनाइटिक कंट्री रॉक, भूजल में यूरेनियम की अधिक मात्रा का एक सामान्य कारण है।

एएमडी अनिवार्य रूप से विभिन्न राज्य जिओलोजिकल प्रोग्रामिंग बोर्ड की बैठकों में भूजल नमूनों के विश्लेषणात्मक आंकड़ों को साझा करता है, जिनका आयोजन राज्य सरकारों और एएमडी की शीर्ष खनन और अनुसंधान सलाहकार परिषद द्वारा किया जाता है। इसके अलावा, एएमडी ने पूरे तेलंगाना राज्य के भूजल के विश्लेषणात्मक आंकड़ों की जानकारी तेलंगाना सरकार को दी है।

पेयजल, राज्य का विषय है और भारत सरकार केन्द्र द्वारा प्रायोजित जल जीवन मिशन (जेजेएम) योजना के माध्यम से ग्रामीण जनता को पेयजल उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकारों के प्रयासों को वित्तीय और तकनीकी सहायता देकर पूरा करती है।

इसके अलावा, जल राज्य का विषय होने के नाते, जल संसाधनों के संरक्षण/प्रबंधन/संदूषण रोकने सहित उपयुक्त कार्यों की पहल करना राज्यों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। हालांकि इस संबंध में केन्द्र सरकार द्वारा उठाए गए कदम निम्नलिखित यूआरएल पर उपलब्ध है।

http://mowr.gov.in/sites/default/files/Steps_to_control_water_depletion_June2019.pdf.
